



मित्र को पत्र



0331CH07



प्रिय मित्र अभिषेक,

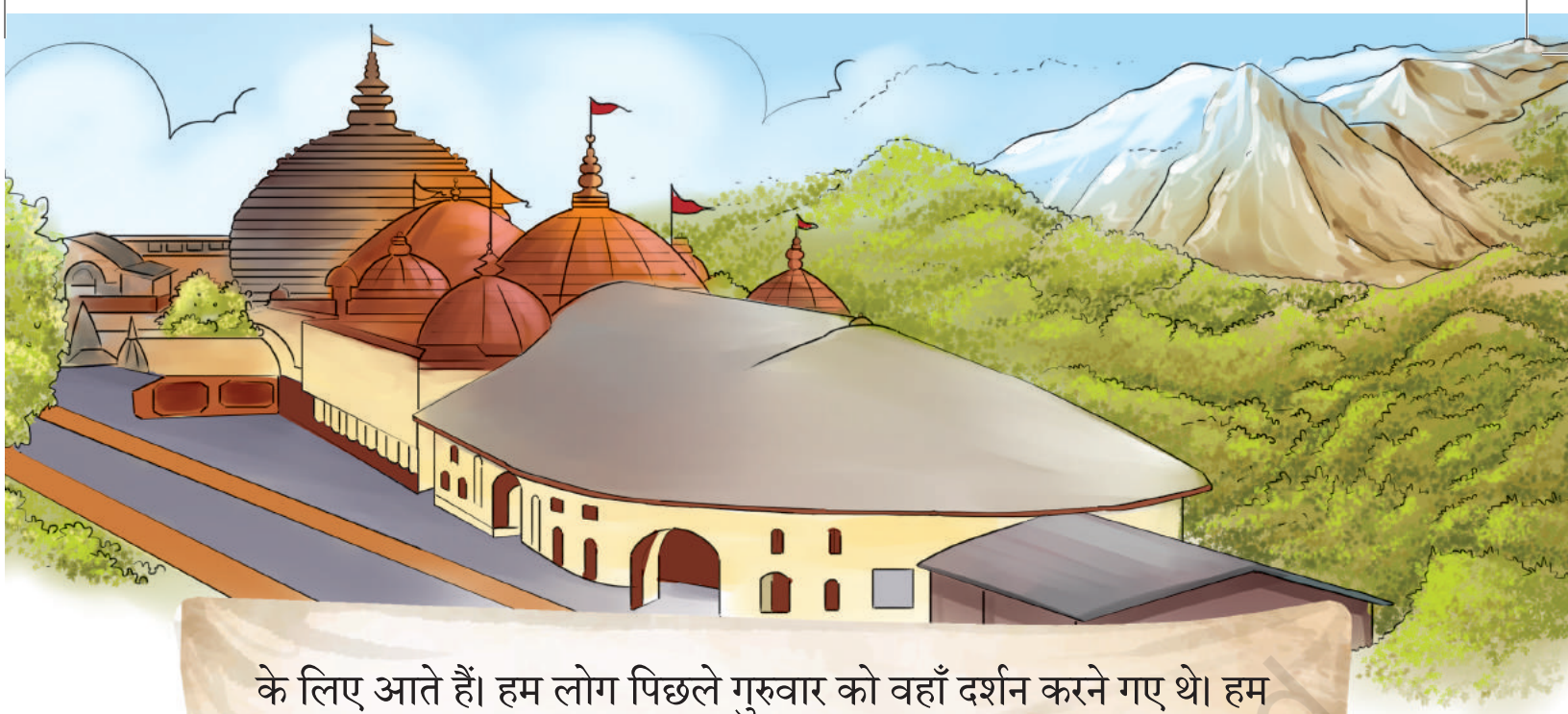
नमस्ते!

आशा है कि तुम और परिवार में सभी सकुशल होंगे और गर्मी की छुट्टियों का आनंद ले रहे होंगे।

मैं अपनी छुट्टियाँ मनाने अपने नाना-नानी के घर गुवाहाटी आया हुआ हूँ। गुवाहाटी भारत के पूर्वोत्तर प्रदेशों का प्रवेश-द्वार है। यह एक बहुत सुंदर और विशाल महानगर है जो ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर स्थित है।

तुम्हें यह जानकारी आश्चर्य होगा कि ब्रह्मपुत्र इतनी विशाल नदी है कि इसमें माजुली नाम का एक बहुत बड़ा द्वीप भी है। यह नदी में स्थित भारत का सबसे बड़ा द्वीप है। माजुली में असम के विश्वप्रसिद्ध वैष्णव मठ 'सत्र' में हमने सत्रिया नृत्य देखा। यह भारत के शास्त्रीय नृत्यों में से एक है।

गुवाहाटी नगर के समीप नीलांचल पर्वत पर कामाख्या देवी का मंदिर स्थित है। यहाँ पूरे भारत से श्रद्धालु दर्शन करने



के लिए आते हैं। हम लोग पिछले गुरुवार को वहाँ दर्शन करने गए थे। हम उमानंद मंदिर भी गए थे। यहाँ पहुँचने के लिए नाव से जाना पड़ता है और थोड़ा पैदल भी चलना पड़ता है।

पैदल चलते हुए नानी ने मुझे बताया कि स्वस्थ रहने के लिए खेलना बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन रहता है। इसलिए पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद भी बहुत आवश्यक है। मैंने नानी को तुरंत बताया कि मैं तो अपने मित्रों के साथ बहुत सारे खेल खेलता हूँ। हम लोग कितने आनंद से खो-खो, पिट्टू, क्रिकेट और फुटबॉल खेलते हैं। खेल की बात सोचते ही मुझे तुम्हारी याद आने लगी।

मैं तुम्हें यहाँ के बहुत सारे अनुभव सुनाना चाहता हूँ। जल्द ही लौटूँगा। शेष शुभ है। बड़ों को प्रणाम।

तुम्हारा मित्र
रूपम

शिक्षण-संकेत – असम का कामाख्या देवी का मंदिर एक महत्वपूर्ण शक्तिपीठ है। असम में पैदा हुए संत शंकरदेव भारत के महापुरुषों में से एक हैं। पाठ को पढ़ते हुए अध्यापक विद्यार्थियों से इनके संबंध में विस्तार से बताएँ।





बातचीत के लिए

1. रूपम ने किसे पत्र लिखा और उसमें क्या लिखा है?
2. पत्र के अनुसार रूपम अपनी गरमी की छुट्टियाँ बिताने कहाँ गया हुआ है?
3. आप अपनी गरमी की छुट्टियाँ बिताने कहाँ गए थे? बताइए।
4. शारीरिक श्रम के बारे में रूपम की नानीजी ने उसे क्या सलाह दी?



सोचिए और लिखिए

1. इस पत्र से गुवाहाटी नगर के बारे में आपको क्या-क्या जानकारी मिली?
2. शारीरिक श्रम करना क्यों आवश्यक है? क्या आप प्रतिदिन कोई शारीरिक श्रम करते हैं?
3. पत्र के अनुसार रूपम और अभिषेक कौन-कौन से खेल खेलते हैं?
4. आपको कौन-कौन से खेल खेलना पसंद हैं? सूची बनाइए और लिखिए।



भाषा की बात

1. आपने जो पत्र पढ़ा, उसमें कुछ खेलों के नाम आए हैं। आप और भी अन्य खेलों के नाम जानते और उन्हें खेलते होंगे। नीचे दी गई वर्ग पहेली में कुछ खेलों के नाम ढूँढ़िए और लिखिए—

का	क्रि	वाँ	रा	पि	जा
गु	के	ली	नी	ट्	कि
फु	ट	बाँ	ल	ठू	ब
डा	हु	ल	खो	हॉ	की
बु	या	य	खो	न	त
ओ	गि	ल्	ली	डं	डा



.....

.....

2. क्या आपके घर अथवा विद्यालय में कोई अन्य खेल भी खेले जाते हैं? उनके नाम नीचे लिखिए—

.....

.....

3. पत्र में 'त्र' तथा 'श्र' संयुक्त अक्षरों का प्रयोग हुआ है।

- 'त्र' संयुक्त अक्षर त् और र के मेल से बनता है।
- 'श्र' संयुक्त अक्षर श् और र के मेल से बनता है।

अब आप पत्र में 'त्र' तथा 'श्र' संयुक्त अक्षरों के प्रयोग से बने शब्दों को ढूँढ़कर नीचे लिखिए। आप अपनी सोच से भी 'त्र' तथा 'श्र' संयुक्त अक्षरों के प्रयोग से बने नए शब्द लिख सकते हैं।

‘त्र’ वाले शब्द

.....

.....

.....

.....

.....

‘श्र’ वाले शब्द

.....

.....

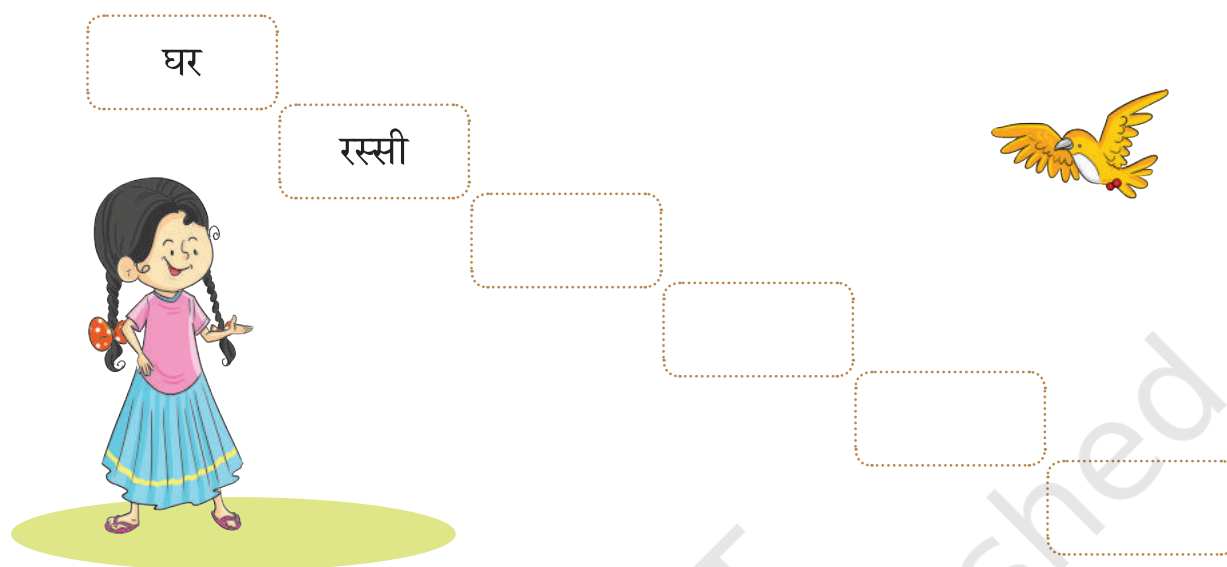
.....

.....

.....



4. शब्द लड़ी बनाइए— जैसे 'घर' में अंतिम वर्ण 'र' है तो अगली कड़ी में 'र' से 'रस्सी' लिखा है। अब आप इस शब्द लड़ी को पूरा कीजिए।



5. पत्र में आए निम्नलिखित शब्दों में से नाम वाले शब्द (संज्ञा) ढूँढ़कर उनमें अपनी पसंद का रंग भरिए।

उदाहरण – नगर, पर्वत, रूपम आदि।

मैं	नानी	अभिषेक	बड़ा
ब्रह्मपुत्र	भारत	देखा	नीलांचल
खेलना	पिटू	गुवाहाटी	हम





थोड़ा और जानिए



1. भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में आठ प्रदेश हैं। ये अपनी प्राकृतिक सुंदरता और विविध परंपराओं हेतु प्रसिद्ध हैं। ये आठ प्रदेश हैं—



कक्षा में अपने सहपाठियों और शिक्षक के साथ पूर्वोत्तर प्रदेशों पर चर्चा कीजिए।

2. इस पत्र में आपने गुवाहाटी स्थित दो मंदिरों के बारे में पढ़ा है—



कामाख्या देवी मंदिर



उमानंद मंदिर

आपके राज्य में भी कुछ प्रमुख धार्मिक स्थल होंगे। ऐसे स्थानों के बारे में अपने घर के सदस्यों से जानकारी प्राप्त कीजिए और कक्षा में सबको बताइए।





खेल गीत



समूह में खेले जाने वाले बहुत से खेलों के साथ सामूहिक रूप से गीत या तुकबंदियाँ गाई जाती हैं, जैसे कि 'हरा समंदर गोपी चंदर'। ऐसे ही कोई दो गीत गाइए और लिखिए—

.....

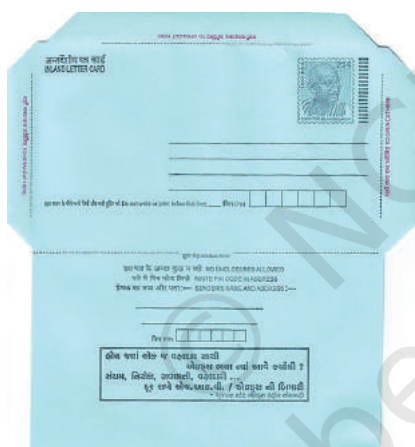
.....

.....

.....



इन्हें भी जानिए



शिक्षण-संकेत – विद्यार्थियों से अंतर्देशीय पत्र, पोस्टकार्ड, डाक टिकट, लिफाफे आदि के बारे में बातचीत कीजिए। उन्हें बताइए कि पहले इनका कितना अधिक उपयोग किया जाता था। विद्यार्थियों को भी इनके उपयोग के लिए प्रोत्साहित कीजिए।

